Phone 0522 2841022, 23,24,26,83
Fax : 0522 2841025
Website : www.cishlko.org
Email : director@cish.ernet.in

केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान

रहमानखेड़ा, डाकघर काकोरी, लखनऊ – 226101(भारत)
CENTRAL INSTITUTE FOR SUBTROPICAL HORTICULTURE
Rehmankhera, P.O. Kakori Lucknow – 226 101(India)

Dated: 23. 01. 2016

गुजिया कीट नियन्त्रण हेतु तकनीकी सलाह

चित्रः गुजिया कीट की विभिन्न अवस्थाओं का आम के बौर एवं पत्तियों पर उपस्थिति।

आम की फसल पर गुजिया कीट एक गंभीर समस्या है। अधिक संख्या में कीट की उपस्थिति आर्थिक क्षति उत्पन्न करती है। इस कीट के द्वारा अप्रैल–मई माह में दिये गये अण्डे दिसम्बर माह तक मिट्टी में पड़े रहते हैं। जनवरी से मार्च माह के मध्य अण्डों के फूटने पर निकले अवयस्क कीट पेड़ों पर चढ़कर कोमल पत्तियों एवं बौर का रस चूँसकर उन्हे क्षति करते हैं। प्रति बौर कीट की अधिक संख्या होने पर फलों का ठहराव भी नहीं हो पाता। बौर और पत्तियों पर इस कीट द्वारा उत्पन्न मीठे–चिपचिपे पदार्थ पर काली फफूँद के उगने से भी फसल पर विपरीत प्रभाव होता है।

गुझिया कीट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु पेड़ के तने पर 30 से.मी. चौड़ी 400 गेज मोटी पॉलीथीन की पट्टी भूमितल से 30 से.मी. की ऊँचाई पर बाधें तथा तने के पास की मिट्टी की पिण्डी बनाकर उस पर 100–250 ग्राम क्लोरपायरीफॉस (1.5 प्रतिषत) पाउडर प्रति पेड़ का बुरकाव करें। यदि कीट बौर और पत्तियों तक पहुँच गया हो तो कार्बोसल्फान 25 ई.सी. या डाइमेथोएट 30 ई.सी. का 2 मिली./ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

इससे अधिक जानकारी हेतुः– निदेषक, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ (0522–2841022/0522–2841172) से सम्पर्क करें।